जेंडर अलायन्स (एक विचारधारा)

संक्षिप्त परिचय

जेंडर अलायन्स बिहार के नागरिक समाज का एक ऐसा गठबंधन है जो की वैचारिल दृष्टि से समाज में लैंगिक समानता लाने के लिए प्रयासरत हैं. यह विचारधारा कुछ ही समय में बिहार के २३४ स्वंयं सेवी संसथान, शिक्षक गण, पत्रकार और पत्रिकारिता से जुड़े व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता, युवाओं और बुद्धिजीविओं को एक मंच में संगठित कर चुका है और साझे रूप से प्रयासरत है की बिहार में किशोरियों को सशक्त करने के लिए नीतियों और कानूनों का विश्लेषण हो और समय और आवश्यकताओं के अनुरूप इनमे बदलाव हो.

पृष्टभूमि

बिहार राज्य में जहाँ एक तरफ सरकार द्वारा लैंगिक समानता की और अनेको प्रयास किये जा रहे हैं , वहीं दूसरी और किशोरियों की स्वास्थ्य, सामाजिक और शैक्षिक स्थिति में अथक प्रयासों की आवश्यकता है. पुरे भारतवर्ष में बिहार में युवाओं की संख्या सबसे अधिक है और अगले १०-१५ वर्षों में बिहार पुरे भारत में सबसे युवा राज्य बन जायेगा. आने वाले वर्षों में ना केवल बिहार बल्कि पुरे भारत की आर्थिक वृद्धि इस बात पर निर्भर करेगी की बिहार के किशोर और किशोरियां कितने सशक्त, स्वस्थ और कुशल हैं.

आंकड़ों के अनुसार अगर बिहार के युवाओं को सशक्त, स्वस्थ और कुशल बनाना है तो आज के किशोर और किशोरियों के स्थिति में एक क्रन्तिकारी बदलाव लाने की आवश्यकता है. ४०% किशोरियों का बिहार में विवाह १८ वर्ष के भीतर हो जाता है और इसके चलते केवल २२% किशोरियां ही १० वर्ष तक की शिक्षा पा ती हैं. नाज़ुक और कच्ची आयु में विवाह के चलते लगभग १३% किशोरियां १९ वर्ष के भीतर मां बन चुकी होती हैं जिसके चलते बिहार के कई आंकड़े जैसे की मात्र मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, कुल प्रजनन दर विपरीत रूप से प्रभावित होता है. किशोरावस्था की इन स्थिति के चलते केवल ९% बिहार की महिलाएं labor Force में हैं और बिहार की आर्थिक प्रगति को अत्यधिक प्रभावित करती हैं.

कार्यप्रणाली

- राष्टीय एवं राज्य स्तर के उपलब्ध आंकड़ों का किशोरियों के स्थिति के सम्बन्ध में आंकलन
- विभिन नीतियों और कानूनों का किशोरियों के सशक्तिकरण पर प्रभाव का विश्लेषण
- नीतियों और कानूनों के निर्माण/बदलाव के लिए राजनैतिक सामंजस्य बनवाना
- समाज में किशोरियों के प्रति जागरूकता लाना

क्रिया बिंदु (चार्टर)

- *किशोर/ किशोरियों के लिए नीति निर्माण*
- *बाल विवाह समाप्त करने हेतु कानून में किशोरियों की नियुन्तम आयु को १८ - २१ करवाना*
- *किशोरियों की लिए निशुल्क उच्च शिक्षा का प्रावधान*
- *दहेज़ प्रथा को पूर्णतः समाप्त करने के लिए मौजूदा कानून की समीक्षा*
- *विधान सभा में महिलाओं के लिए आरक्षण*

"जेंडर अलायन्स ने बिहार में किशोरियों की समानता के लिए उठाये बिंदुओं से एक नई सोच को जन्म दिया है."

अध्यक्ष बिहार विधान सभा

वातावरण निर्माण

वर्ष २०१६ में जब जेंडर अलायन्स प्रारम्भ हुआ तब मुद्दों को लेकर सामंजस्य बनाने के लिए अथक प्रयास हुए. क्योंकि जेंडर अलायन्स एक वैचारिक मंच आरम्भ करने के लिए प्रयासरत थी जो की नीति निर्माण और कानूनों में बदलाव के लिए बिहार में साझा मंच बनाना चाहती थी जिसके लिए नीति निर्माताओं से साझेदारी आवश्यक थी. माननीय विधान सभा अध्यक्ष, श्री विजय कुमार चौधरी ने जेंडर अलायन्स के विचार और कार्यप्रणाली को समझा और खुले दिल से इन मुद्दों पर नेतृत्व प्रदान करने की सहमति दी. श्री चौधरी के इसी प्रयास के चलते, जेंडर अलायन्स और कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के तत्वाधान में अगस्त २०१६ में विधान सभा में सभी माननीय विधयाकों के साथ एक कार्यशैली आयोजित की गयी. इसी कार्यशाला में जेंडर अलायन्स का सही अर्थों में जनम हुआ और नागरिक समाज और विधायकगणों के बीच ५ मुद्दों पर साझा कार्य करने पर सहमति बनी. इस कार्यशाला में सभी माननीय विधायकों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर इन मुद्दों पर साथ कार्य करने पर सहमति जताई और इस बात ने नागरिक समाज को काफी प्रोत्साहित किया.

इसी सहमति के बीच माननीय विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में सरायरंजन, ज़िला समस्तीपुर में समाज के बीच जाकर भी इन मुद्दों पर सहमति बनायीं गई. बहुत आश्चर्य हुआ यह देखकर की जिन मुद्दों को हम समझते थे की वह समाज की सहमति से है, जैसे की बाल विवाह उन मुद्दों को समाज भी नयी सोच से देखता है .

> ***"मैं जेंडर अलायन्स द्वारा उठाये गए सभी मांगों को endorse करता हूँ"***
>
> ***डॉ. शकील अहमद खान***
>
> ***(विधायक एवं AICC सदस्य)***

राजनैतिक सामंजस्य

क्योंकि जेंडर अलायन्स के ५ मुद्दों को सार्थक करने के लिए यह आवश्यक था की इन मुद्दों पर राजनैतिक सहमति बने ताकि नीति निर्माता स्वयं प्रयास करे. इसके चलते जेंडर अलायन्स के तत्वाधान में कई कार्यक्रम हुए और राजनैतिक नेतृत्व से कई बैठकें हुई. प्रमुख तौर पर इसमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), कांग्रेस, और भारतीय जनता पार्टी से बातचीत हुई. इसके अलावा सर्कार के कई मंत्रियों से भी बात चीत हुई, इसमें प्रमुखता माननीय वित्त मंत्री श्री अब्दुल बरी सिद्दीकी शामिल हैं.

७ मार्च २०१७ को अंतर्राष्टीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर जेंडर अलायन्स इन सभी राजनैतिक दलों को एक मंच में लेन में सफल रहा. पटना के इको पार्क में जेंडर अलायन्स के ५ मुद्दों पर एक अनूठा प्रयास हुआ जब की राजनैतिक विचारधाराओं से सभी दलों इन मुद्दों पर सहमति जताई. इस अनूठे कार्यक्रम में पटना के विभिन्न कॉलेज के छात्र छात्राओं ने बढ़कर हिस्सा लिया और बिहार के माननीय नेता गण से सीधे सवाल किये. इस कार्यक्रम को दूरदर्शन ने रिकॉर्ड किया और इसकी डायरेक्टर श्रीमती रतना पुरकायस्थ ने सन्चालन किया. इसमें **कांग्रेस के AICC सदस्य डॉ. शकील अहमद खान, बीजेपी के डॉ. संजय पासवान, जदयू के श्री नीरज कुमार, राजद के श्री अलोक मेहता, और राष्ट्रीय महिला आयों की सदस्य श्रीमती सुषमा साहू** ने छात्र छात्राओं से सीधे सवाल लिए और उनका जवाब दिया.

इको पार्क • जेंडर अलायंस संस्था के डिबेट में पहुंचे नेता और छात्र

लड़कों की शादी 21 में तो लड़कियों की 18 में क्यों

पूर्व मंत्री ने कहा-लड़कियां हार्ट हैं और लड़के माइंड

लड़कियों ने उनकी बात से जताई असहमति

पटना • डीबी स्टार

लड़कियों ने पूछा संजय पासवान से सवाल

महिलाओं में जागरुकता आई :आलोक

www.facebook.com/genderalliance/ genderalliance_bihar 8709682486, 97112131